



## SAI20 शखिर सम्मेलन

भारत के G20 प्रेसीडेंसी के तहत **SAI20 शखिर सम्मेलन भारत के नयित्त्रक और महालेखा परीक्षक (CAG)** के नेतृत्व में गोवा में शुरू हुआ।

- शखिर सम्मेलन बलू इकॉनमी और रसिपॉन्सबिल AI पर प्राथमिकताएँ तय करने, **सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशंस (SAIs)** (भारत का SAI CAG है) के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित था।

### प्रमुख बिंदु

- **प्राथमिकता वाले क्षेत्र:**
  - SAI20 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में "बलू इकॉनमी" और "रसिपॉन्सबिल आर्टफिशियल इंटेलिजेंस" शामिल हैं जो नए युग के अवसरों और चुनौतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - ये क्षेत्र **SAI के बीच वास्तविक सहयोग की आवश्यकता** को रेखांकित करते हैं।
  - ज्ञान साझा करने और क्षमता निर्माण के लिये SAI के बीच घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है।
- **नीली अर्थव्यवस्था में उत्कृष्टता केंद्र:**
  - SAI भारत के **अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण लेखा परीक्षण और सतत् विकास केंद्र (iCED)** में बलू इकॉनमी में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है।
  - **इसका उद्देश्य एक उत्कृष्टता केंद्र बनाना है जो अनुसंधान को बढ़ावा दे** और SAI के बीच ज्ञान साझा करने तथा क्षमता निर्माण के लिये उत्प्रेरक के रूप में कार्य करे।
- **बलू इकॉनमी और रसिपॉन्सबिल आर्टफिशियल इंटेलिजेंस पर संग्रह:**
  - विभिन्न सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों के समर्थन और योगदान के परिणामस्वरूप नीली अर्थव्यवस्था (बलू इकॉनमी) तथा रसिपॉन्सबिल आर्टफिशियल इंटेलिजेंस पर दो सार-संग्रह प्रकाशित किये गए हैं।
- **सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों की भूमिका:**
  - नीली अर्थव्यवस्था (बलू इकॉनमी) और रसिपॉन्सबिल आर्टफिशियल इंटेलिजेंस का ऑडिट उनकी सर्वव्यापी, बचत करने की प्रवृत्ति के कारण उभरती हुई तकनीक तथा उपयोग के कारण चुनौतीपूर्ण है।
  - सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु बलू इकॉनमी और रसिपॉन्सबिल आर्टफिशियल इंटेलिजेंस के ऑडिट में SAI की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

## भारत का नयित्त्रक और महालेखापरीक्षक (CAG):

- **परिचय:**
  - **संवैधानिक निकाय: अनुच्छेद 148 CAG के एक स्वतंत्र कार्यालय का प्रावधान करता है। यह भारत की सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्था है।**
  - **जनता के धन का संरक्षक** और केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर देश की **संपूर्ण वित्तीय प्रणाली को नयित्त्रित** करता है।
  - वित्तीय प्रशासन के क्षेत्र में **संसद के प्रति कार्यपालिका** (अर्थात् मंत्रपरिषद) की जवाबदेही CAG की **लेखापरीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से सुनिश्चित** की जाती है।
- **नयिकता:**
  - **भारत के राष्ट्रपति** द्वारा हस्ताक्षर और मुहर के तहत एक वारंट द्वारा उसकी नयिकता की जाती है।
- **कार्यकाल:**
  - **छह वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक**, जो भी पहले हो।
- **पदस्थ किये जाने की प्रक्रिया:**
  - **राष्ट्रपति CAG को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाए जाने की समान प्रक्रिया द्वारा हटा सकता है।** वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण नहीं करता है।
- **अन्य संबंधित बिंदु:**
  - **अपना पद छोड़ने के बाद** वह किसी अन्य कार्यालय के लिये पात्र नहीं होगा, चाहे वह भारत सरकार में हो या किसी राज्य में।
  - वेतन और अन्य सेवा शर्तें संसद द्वारा निर्धारित की जाती हैं।
  - कोई भी मंत्री संसद में CAG का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है।
- **हालिया विकास:**

- भारत के नरिंत्रक और महालेखापरीक्षक (CAG) गरीश चंद्र मुरू को वर्ष 2024 से 2027 तक चार वर्ष की अवधि के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), जनिवा के बाह्य लेखा परीक्षक के रूप में फरि से नयुक्त किया गया है। CAG ने वर्ष 2019 से 2023 तक WHO में यह पद संभाला है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति में से कसि एक समूह में चारों देश G-20 के सदस्य हैं?

- (a) अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुरकी
- (b) ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूजीलैंड
- (c) ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वयितनाम
- (d) इंडोनेशिया, जापान, सगिापुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- G-20 अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के प्रतिनिधियों के साथ 19 देशों तथा यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है।
- मज़बूत वैश्विक आर्थिक विकास के लिये सदस्य देश जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80% से अधिक का प्रतिनिधित्व और योगदान करते हैं, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिये प्रमुख मंच पर आए, जसि पर सितंबर 2009 में पेंसिल्वेनिया (USA) में पटिसबर्ग शखिर सम्मेलन में नेताओं द्वारा सहमत वियक्त की गई थी।
- G-20 के सदस्यों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, कोरिया गणराज्य, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुरकी, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) शामिल हैं।

अतः विकल्प (a) सही है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/sai20-summit>

